



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 63।
No. 63।

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 17, 2008/चैत्र 28, 1930
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 17, 2008/CHAITRA 28, 1930

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुंबई, 17 अप्रैल, 2008

फा.सं. भाप्रविबो/विधि/122945/08.—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लिमिटेड जिसका अपना रजिस्ट्रीकृत कार्यालय “एक्सचेंज प्लाजा”, सी-1, ब्लाक “जी”, बांद्रा कुरुली कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई-400051 में स्थित है द्वारा, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन किए गए मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन पर विचार करते हुए और यह समाधान हो जाने पर कि यह व्यापार के हित में होगा और ऐसा करना लोक हित में भी होगा, एतद्वारा, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एक्सचेंज को मान्यता का नवीकरण उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन, स्थायी आधार पर 26 अप्रैल, 2008 को प्रारंभ होने वाला, प्रतिभूतियों में संविदाओं की बाबत शर्तों जो इसके पश्चात् विहित या अधिरोपित की जायें के अध्यधीन प्रदान करता है।

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69 जैड बी/2008/असा.]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 17th April, 2008

F. No. SEBI/LE/122945/08.—The Securities and Exchange Board of India, having considered the application for renewal of recognition made under Section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, by National Stock Exchange of India Limited having its registered office at “Exchange Plaza”, C-1, Block ‘G’ Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai-400051 and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, renewal of recognition to the said Exchange under Section 4 of the said Act on permanent basis commencing on the 26th day of April, 2008 in respect of contracts in securities subjects to the conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

C. B. BHAVE, Chairman

[ADVT III/4/69ZB /2008/Exty.]